

घोड़ों के लिए पोषण और आहार प्रबंधन

डॉ. महेन्द्र सिंह मील

सहायक आचार्य पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय
नवानिया, वल्लभनगर, उदयपुर

घोड़ों के स्वस्थ विकास कार्यक्षमता और दीर्घायु के लिए सही पोषण और आहार प्रबंधन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। घोड़ों की शारीरिक संरचना और पाचनतंत्र विशेष प्रकार के आहार की मांग करते हैं, जो उनकी प्राकृतिक खाने की आदतों के अनुसार होता है। घोड़ों के उचित पोषण और आहार प्रबंधन के लिए निम्नलिखित बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

1. घोड़ों का प्राकृतिक आहार और पाचनतंत्र

घोड़े स्वाभाविक रूप से चरने वाले जानवर होते हैं। उनका पाचन तंत्र लम्बे समय तक धीरे-धीरे खाने के लिए अनुकूलित होता है। उनका पेट छोटा होता है, लेकिन आंतें काफी लम्बी होती हैं, जिससे वे धीरे-धीरे पाचन कर पाते हैं।

आहार का प्रकार: प्राकृतिक आहार में हरी घास और चारा शामिल होता है, जो उनके पाचनतंत्र के लिए सबसे उपयुक्त होता है। घास और चारे में उच्चमात्रा में फाइबर होता है, जो घोड़ों की आंतों के लिए आवश्यक है।

2. आहार के प्रमुख घटक

2.1. घास और चारा

हरी घास: यह घोड़ों के आहार का मुख्य आधार है। इसमें उच्चमात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। हरित घास में पाए जाने वाले पोषक तत्व उनके स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक होते हैं।

सूखी घास: यह घोड़ों के लिए सबसे प्रमुख सूखा आहार है, खासकर तब जब ताजी घास उपलब्ध नहीं होती। घोड़ों को उच्चगुणवत्ता वाली सूखी घास खिलाना चाहिए, जिसमें फफूंद या गंदगी नहीं होनी चाहिए।

2.2. अनाज

जई, मकई, और जौ: ये अनाज घोड़ों के आहार में कार्बोहाइड्रेट और ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत होते हैं। अनाज का सीमित मात्रा में सेवन आवश्यक है, क्योंकि अत्यधिक अनाज पाचन विकार पैदा कर सकता है।

2.3. विटामिन और खनिज

कैल्शियम और फॉस्फोरस: ये खनिज हड्डियों और दांतों के विकास के लिए आवश्यक हैं। घोड़ों को संतुलित मात्रा में कैल्शियम और फॉस्फोरस देना चाहिए।

नमक: नमक घोड़ों के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है। नमक के ब्लॉक को उनके बाड़े में रखा जा सकता है ताकि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार उसका सेवन कर सकें।

2.4. पानी

पर्याप्त और ताजा पानी घोड़ों के आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक वयस्क घोड़े को प्रतिदिन लगभग **20-30** लीटर पानी की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक गतिविधि के बाद। पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है, जो पाचन और समग्र स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

3. विशेष आहार प्रबंधन

3.1. कार्य के अनुसार आहार

घोड़ों का आहार उनकी शारीरिक गतिविधियों और कार्यभार के अनुसार होना चाहिए:

हल्का काम करने वाले घोड़े: उन्हें केवल हरी घास या सूखी घास की जरूरत होती है। अतिरिक्त अनाज की आवश्यकता नहीं होती।

मध्यम काम करने वाले घोड़े: इन्हें कुछ मात्रा में अनाज और फाइबरयुक्त आहार की आवश्यकता होती है, ताकि उनकी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

कठिन काम करने वाले घोड़े (जैसे दौड़नेवाले घोड़े या काम के घोड़े): इन्हें उच्च ऊर्जायुक्त आहार की आवश्यकता होती है, जिसमें प्रोटीन, अनाज और विटामिन की मात्रा अधिक होती है।

3.2. उम्र और स्वास्थ्य के आधार पर आहार

छोटे बछड़े: उन्हें अधिक प्रोटीन और विटामिन की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे विकासशील होते हैं। उन्हें नियमित रूप से माँ के दूध के साथ सॉलिडफूड और चारा देना शुरू करना चाहिए।

बूढ़े घोड़े: उम्र बढ़ने के साथ, घोड़ों का दांत और पाचनतंत्र कमजोर हो जाता है। ऐसे में उनके आहार में नरम और सुपाच्य खाद्य पदार्थों का होना जरूरी होता है, जैसे कि घास का पेस्ट या विशेष वृद्धावस्था आहार।

3.3. मोटापे या पतलेपन से बचाव

घोड़ों के वजन पर नियमित नजर रखनी चाहिए। अत्यधिक मोटापा घोड़ों में लामिनेटिस जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है, जबकि कम वजन कमजोरी और रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर सकता है। घोड़ों को संतुलित आहार देकर उनका वजन नियंत्रित रखना आवश्यक है।

4. सामान्य आहार प्रबंधन सुझाव

आहार नियमितता: घोड़ों को नियमित समय पर भोजन देना चाहिए ताकि उनका पाचनतंत्र सुचारू रूप से कार्यकर सके।

आहार की मात्रा: घोड़ों को उनकी शारीरिक गतिविधियों, उम्र, और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर आहार देना चाहिए। अधिक मात्रा में भोजन देने से आंतों में समस्या हो सकती है।

धीरे-धीरे आहार परिवर्तन: घोड़ों के आहार में किसी भी प्रकार का परिवर्तन धीरे-धीरे करना चाहिए ताकि उनका पाचनतंत्र नए आहार को स्वीकार कर सके।

पाचन सहायता: घोड़ों को प्राकृतिक फाइबर युक्त आहार देना चाहिए, जो उनके पाचन को बेहतर बनाए रखेगा। प्रोबायोटिक्स और अन्य पाचन सहायक पूरक आहार में शामिल किए जा सकते हैं।

5. संपूर्ण आहार योजना

घोड़ों के लिए एक संतुलित आहार योजना इस प्रकार हो सकती है:

सवेरे का आहार: ताजी घास या सूखी घास के साथ थोड़ी मात्रा में अनाज।

दोपहर का आहार: अगर घोड़ा काम कर रहा है, तो थोड़ा अतिरिक्त अनाज और खनिज युक्त आहार।

रात का आहार: घास या चारा, साथ ही आवश्यक मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पूरक।

घोड़ों के पोषण और आहार प्रबंधन में उचित संतुलन, गुणवत्ता, और नियमितता का होना आवश्यक है। सही आहार न केवल घोड़ों की शारीरिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि उनकी दीर्घायु और जीवन गुणवत्ता को भी सुनिश्चित करता है।